



ASHA ARCHIVES

1.648

ASHA ARCHIVES



नाथां च लोकां नः अलया नः अलया नः अयत्राय नः यत्रिभा यय सर्व इत्येव ४॥ यलुनी २ वगवनी स
वदुनी वा प्रनी विजयवा दही दुल २ मूल २ धू २ यल २ आयुधा प्रनी सू नवल युमथनी सर्व दवगम
युजिना विप्रि २ विप्रि २ समकावला किना युर २ सुय २ सुयुर विगु ३ सवयाय विजावति धू २ धू प्रनी धन २
नूचल लय सर्व इत्या न यत्रय सर्वममाना गीवजय ध प्रजय कमला किनी २ वज्र दं क ॥ ३ यय विगु
३ ययि उ मरि रव निगी रव न २ जालि न गिरव न समकावला किनय र सुयुर विगु ३ समनय सा निना य

राविना लु ३ काल २ सर्व दवगम समाकथनी मतवता ॥ ३ क्री उ मल २ नात्रय २ जजमान स्य सर्व इ इ
युमायनी यखा हा ॥ ३ नू २ नू २ नू २ किनी २ किनी २ दही २ सर्व दवगम कली यिगत्रा सुव २ सुस २ सुविचल
मत्र २ नाग विजा किनी नात्रय र गवति अयमहा रयदा प्रमरत्य ४ सर्व सु समनन दिजावत्येन वज्रया क
लवजया न वत्वन वजावा ला विगु ३ न र गवति गह मी सा धनी कू श्री संयुजनी काल २ नात्रनी वय्युधन
समनन दिजादकन अमनवयनी दवता प्रनी अरि वि क्रु सुगन वन यहा मगवलयुधन २ र ग

[illegible]

त्रसुल विभुः विगतः विगतमलः सर्वविगतमलविनाशनिः सर्वमंगलविनाशनिः श्रीहीः सर्वयाववि
 भुः मलविगतः जयवनिः तजवनिः वजवनिः मेलाः विदितस्याह ॥ सर्वतथागतविगतमूलागतविग
 तस्याह ॥ सर्ववृद्धवाधिसूतः ॥ हिकृत्यः ॥ सर्वतथागतहृदयस्याह ॥ सर्वद्वन्तासिकस्याह ॥ सर्वतथा
 गतहृदयस्याह ॥ ॐ नृवनिः वावलाकितस्याह ॥ बुद्धवृद्धाधिनस्याह ॥ ॥ विष्णुनमस्तुतस्याह ॥ मरु
 त्तवदिनायेनमस्याह ॥ वज्रध्वजवज्रयासितवसविय्याः विदितस्याह ॥ उद्धृतग्राहयस्याह ॥ उर्विप्रकायस्याह

हा॥ विद्याय स्वाहा॥ वेदवनाय स्वाहा॥ वदुमहानाजिकाय स्वाहा॥ उमाय स्वाहा॥ उमयुक्तिनाय स्वाहा॥
वसुधाय स्वाहा॥ मानुनाय स्वाहा॥ माहामानुनाय स्वाहा॥ अग्नेय स्वाहा॥ वायुय स्वाहा॥ नागविप्राकिनाय स्वाहा॥ दे
वगणाय स्वाहा॥ नाकसगणाय स्वाहा॥ गन्धर्वाय स्वाहा॥ अश्विनय स्वाहा॥ किन्नरगणाय स्वाहा॥ मनूष्यगणाय स्वाहा॥
यिगीवगणाय स्वाहा॥ सर्वकालाय स्वाहा॥ सर्वयुतनाय स्वाहा॥ कतयुतनाय स्वाहा॥ सर्वदुष्टप्रश्लाय स्वाहा॥
उध्वरशुभ्रशक्रशयुश्रमश्रस्वाहा॥ उहन्तशउदहन्तशउयवश्यअहीनेवि॥ वाहा॥ सखा॥ गत्रीवज्रालय

सर्वरुचिनासादा ॥ उँ कलियु कलिना ॥ दीय कालिवज कालिसुधा ॥ समक कालि मातिरुद्र ॥ पूर्व रुद्रा
नयेवय ॥ उँ माहाका जया मातृ गमा माया ॥ राक्षसीय युताना ॥ विमायाना ॥ जकिनिना ॥ आकाज मातृणा ॥ समुद्रमा
मिहीना ॥ रात्रिव राणा ॥ दिवसव राणा ॥ सन्ध्या च राणा ॥ अवलव राणा सादा ॥ ॥ गरुड प्रत्यसादा ॥ गरुड
नीही ॥ गरुड नीही सादा ॥ रुद्र सादा ॥ रुद्र सादा ॥ रुद्र वर सादा ॥ रुद्र वर सादा ॥ विमित्री ति सादा ॥ विमित्री सादा
मित्री सादा ॥ मिमित्री सादा ॥ वृथ २ मिथ २ मलुल वन्ध सादा ॥ मरुतुज इय ॥ मरुयकिन्दिना ॥ शिलु २ अय

वन्द्ययश्मादयश्मितिश्चाह॥ चन्द्रसूर्यश्चाह॥ उँ लवनि विस्वधुनि नवगुह सदा विसतिनक पृथः उँ जि
 वल्यः गानित्यः यद्वित्यः स्यात्सायनस्य जित्वैकत्रित्यः॥ ॥ उँ वसंवत्रिजानिकत्री वलवजनी श्रीकत्रि
 श्रीवहनी श्रीकालनी म्रविसाहा॥ म्रविसाहा॥ वगवत्रिसाहा॥ श्रीसर्वतथागत म्रविसाहा॥ पुवसविमहा
 ध्रित्रिवलिवल्लगवत्रिसाहा॥ उँ म्रनिरविम्रनिरध्रित्रिवलिवल्लगवत्रिसाहा॥ उँ म्रनिरविम्रनिरध्रित्रिवलिवल्लगवत्रिसाहा॥ उँ म्रनिरविम्रनिरध्रित्रिवलिवल्लगवत्रिसाहा॥
 नही॥ वाविश्वाधयश्मितिश्चाह॥ उँ म्रनिरविम्रनिरध्रित्रिवलिवल्लगवत्रिसाहा॥ उँ म्रनिरविम्रनिरध्रित्रिवलिवल्लगवत्रिसाहा॥ उँ म्रनिरविम्रनिरध्रित्रिवलिवल्लगवत्रिसाहा॥

५

सर्वतथागताः॥ सर्वविद्याहियैकैर्महाकवचमृडितैः सर्वतथागतहृदयाधिसिद्धतवज्जत्या॥ समन्तकालामालावि
 शुद्धिसुविम्विनाममिमहा म्रडाहृदया अयत्राजितामहाकावही॥ ॥ अणुमनुयदासिद्धाः सर्वकर्मक
 त्राः शुद्धाः॥ उँ अमृतवप्रवप्रशुवप्रविगुष्टहृदस्वाहा॥ उँ अमृतविलाकिनिगहृदसंजकनि अकर्मनिर
 हृदहृदस्वाहा॥ अयत्राजिताहृदयम्॥ ७ ॥ उँ विमलवियलजयवल अमृतविजजहृदस्वाहा॥ उँ हज्र स म्रन २
 ००० दिवमविलावनिहृदस्वाहा॥ उयहृदयटिया॥ ॥ आर्यमहायुनिसत्रायाः युथमकल्यः समाद्य॥ ७॥
 उँ नमावजाय नमाधर्माय नमः संद्यायातमस्तुः संन्यासं वृद्धयः एवमस्तु नमस्तुः वृद्धी सनवृद्धय॥ अहमि

दानीम्यवकासि सर्वसत्त्वान्वाच्यया ॥ ॐ सावित्र्या महा नं गामहावस्यत्रा दसा यस्या लाविन मात्रायान्निनो व
 जमया गतमा लायसा न कायिका य गुहा सर्वविनायका ॥ विद्याय सा नि य क चिरु कटा दित यमना ॥ तयथा ॥
 उं जि वि र जि वि लि र जि वि व मि र गु हा व मि ॥ आ स व मि ॥ आ स वि गु हा ॥ या य वि ग हा ॥ आ का णा ॥ ग म हा म ल ॥ आ का
 णा ॥ ग म हा म ल ॥ आ का णा वि या वि लि ॥ व लि त नि य ॥ म लि मी कि य चि त मा लि य ॥ सु क णा ॥ सु व क ॥ सु न य
 सु व क ॥ गो त्र ॥ अ वि ग ॥ अ ना ग म ॥ य क त्य त ॥ न स ॥ सर्व वी य ड ॥ ना र ग म ॥ अ लि त न ज सा ॥ वृ ह स वृ ह र ग व मि ॥ सु
 व क णी ॥ सु क म ॥ सु द म ॥ सु द म ॥ सु द म ॥ सु द म ॥ व प्र व ल दा र ग व मि ॥ र ॥ सु र ॥ पु वि म ल ॥ ज य र ॥ पु व न ॥ च ह नि

१ व २

व ज य ॥ सु म हा व ॥ पु या वि ॥ ग म ॥ वि ॥ को त्रि य ॥ ल ॥ लि ॥ मा र्ग ॥ जि ॥ व ड ॥ मि ॥ सु म मि ॥ य क ॥ मि ॥ ग व ॥ मि ॥ ग क ॥ मि ॥ य म मि ॥ दा
 मि मि ॥ जी डि णी ॥ सर्व थ सा ध नि ॥ र ॥ व र ॥ सर्व ज ॥ र ॥ न ॥ द र ॥ र ॥ सर्व ॥ द ॥ न ॥ पु म ॥ वि ॥ ला ॥ य ॥ जा ॥ कि ॥ नी ॥ ता ॥ म ॥ म नू ॥ व्या ॥ म नू ॥ व्या ॥ ता
 थ ॥ य ॥ क ॥ द ॥ द ॥ य ॥ म ॥ वि ॥ ध ॥ स ॥ य ॥ जी ॥ वि ॥ मे ॥ सर्व ॥ इ ॥ क ॥ गु ॥ हा ॥ ता ॥ ना ॥ स ॥ य ॥ सर्व ॥ या ॥ या ॥ नि ॥ र ॥ ग ॥ व ॥ मि ॥ व ॥ द ॥ र ॥ म ॥ म ॥ सर्व ॥ स ॥ त्वा ॥ ना ॥ ये ॥ सर्व
 पु ॥ सर्व ॥ दा ॥ सर्व ॥ र ॥ था ॥ य ॥ द ॥ व ॥ य ॥ ॥ सर्व ॥ इ ॥ क ॥ ना ॥ वि ॥ न ॥ न ॥ ये ॥ न ॥ र ॥ सर्व ॥ कि ॥ लि ॥ य ॥ म ॥ मि ॥ मा ॥ र्क ॥ लु ॥ मृ ॥ द ॥ कु ॥ नि ॥ वा ॥ नि ॥ हि ॥ मा ॥ दा
 मा ॥ जी ॥ मी ॥ द ॥ त्व ॥ वि ॥ व ॥ ल ॥ य ॥ डि ॥ र ॥ वि ॥ डि ॥ र ॥ नि ॥ डि ॥ नि ॥ पु ॥ हा ॥ या ॥ वि ॥ लि ॥ वि ॥ लि ॥ य ॥ व ॥ न ॥ स ॥ म ॥ त्र ॥ च ॥ ला ॥ लि ॥ मा ॥ म ॥ मी ॥ नृ ॥ ध ॥ सि ॥ व ॥ ध

रुनरसवगुननवरुमममनीन
 माणयसर्वसावरुगवतालेरु
 कल्याधिलिनेममसर्वकर्मवचनाय
 विशाधनयकन्यसमाकः॥ ३॥
 अकालिकलाकलाकलासंविन
 रुलिकणिगामनिहेविपिंगलनव
 लकयाजमालकालिनिधमनोके



सर्वसत्तात्केवजयजुवजमह
 रसादावडमीनीसर्वतथागमव
 न्यसाहाशयोमहायुनिसाया
 रडेनमातगयममहामायय
 नीअमनाखितादावितिकनिमि
 पुलवलयवादलिबोदिकालय

सीतवपुतिनयमंजन्मयुवादीपवलिमयद्यधदाह्यामि
 उवयाडीवववजतम्यगुनत्रदाममनासिधनुमनुयुदाहसाहा
 महावर्गसर्ववृद्धादिगनुममयथाहमिद्विडि
 डियालुयिगावितिववलिआवाहिलिडावाहिलि॥ २ ॥
 उलमत्रातमिलिमिलिमलमला
 विमिदिविष्टवययलाविमलरुत्तरअग्रमखि
 कालिश्कलानिमहाकालिप्रकीर्णकणि
 कलरुवहलूर
 कोलूररुलूरवहलूरवासाहसादाहमइमा
 ललायार्वालायवलीवलायापिग्ररुहिलि
 मिलिनिलिजचूल्

मूक॥ मूल॥ मू॥ वा॥ या॥ जाल॥ दम॥ दमनि॥ नय॥ नयनि॥ कल॥ कलनि॥ यव॥ यवनि॥ इन्द्रि॥ गड
नि॥ वष॥ हि॥ कू॥ ठ॥ नि॥ नय॥ नि॥ नाय॥ नि॥ यव॥ नि॥ याव॥ नि॥ रु॥ व॥ नि॥ हा॥ त्रि॥ मि॥ का॥ त्रि॥ मि॥ क॥ म्य॥ नि॥ स॥ द॥ नि॥ म॥ लु॥ नि॥ व॥ ॥ द
म॥ क॥ लि॥ स॥ क॥ त्रि॥ सा॥ क॥ त्रि॥ ग॥ क॥ त्रि॥ क॥ क॥ त्रि॥ ग॥ व॥ त्रि॥ ग॥ क॥ नि॥ क॥ लि॥ नि॥ इ॥ म्हा॥ इ॥ म्हा॥ नि॥ सु॥ क॥ सु॥ मा॥ जाला॥ या॥ वला॥ या॥ य
य॥ वि॥ वला॥ या॥ व॥ म॥ कु॥ द॥ व॥ इ॥ स॥ म॥ न॥ ता॥ वृ॥ लि॥ कि॥ जि॥ ला॥ हा॥ न॥ मा॥ कु॥ न॥ वृ॥ जा॥ या॥ न॥ मा॥ मु॥ न॥ वृ॥ ध॥ या॥ न॥ मा॥ मु॥ न॥ का॥ या॥ न॥ मा॥
कु॥ न॥ मू॥ क॥ या॥ न॥ मा॥ मु॥ न॥ ला॥ क॥ या॥ न॥ मा॥ मु॥ न॥ वि॥ मू॥ का॥ या॥ न॥ मा॥ मु॥ न॥ वि॥ मू॥ क॥ या॥ य॥ वृ॥ क॥ हा॥ वा॥ हि॥ न॥ या॥ य॥ व॥ म॥ स॥ मा॥ न॥ म॥ स॥
य॥ य॥ त्रि॥ या॥ न॥ य॥ कु॥ सर्व॥ त॥ य॥ य॥ शा॥ स॥ वृ॥ या॥ य॥ स॥ ग्ना॥ या॥ य॥ स॥ ग्ना॥ या॥ य॥ स॥ त्वा॥ इ॥ स॥ व॥ व॥ अ॥ त्वा॥ स॥ वृ॥ या॥ पि॥ त्वा॥ इ॥ स॥ व॥ व॥ इ॥ त्वा॥

[illegible]

[illegible]

कृदिकूनटि।निलिकून्नठि।अयकवद्यावर्षउदव४समनन।नयमासादनामासा००लिमिलिकिलिमिलि
।किलिमिलिककुमल।इमासुरमाउदलिससकु।वद्वसप्ररधनवसुप्रक।नर्कलानर्कलिम॥खत्रिमधामात्रि
ह्म०००मिसर्कुल।तुम्भसुतुम्भ।अदनद्वयमद।अलमद।अनमाल।वर्षमुदवादकनसर्वन४समन॥नायायनि
यायायनि।रुलिकाल।कूनालि।००लिमिलि।किकिलिमिलि।किलिमिलिमिलि॥००लिमिसिधकुमनप्रदासाहा
नयथा॥यिलिमिलिकिलिमिलिककुमल।वृद्धवृद्ध॥यसुनलिश्वावदिकवदिकमूल॥००लिमननप्र।तुम्भरप्रियकप्र
प्रवद।यत्रिवद।नवादकनकुंवर्यमुदव४समनन।नभाएगवक००दि००दाये००न्द०गामिसिकायअ

सनयासनायायतिरुलाकपिलमिरुंलिमिरुंनमाठगवमवडायसिधनुयदोममसर्वसत्त्वानाकत्वाला
 यत्वेननामहाविद्याकचिदतिकुमिथानिसयकास्यसुटासुडाअजकस्येवमभजी॥००मानिवसकुयदानिनिम
 नसिकर्ह्यानि॥मयथा॥००लिमिलिकिलिमिलि॥मकमूरक॥अठनाठ॥कृगनाठ॥वयमुदवमठकवर्थाअ
 नायायाजायाकादाहिका॥००लिमिलिरिर्जलिका॥गिलिमिलिसमननः॥कृत्वा॥कृत्वा॥हिलिर॥मिलिर॥यिलिर॥
 किलिर॥गियेसमायलशयलशयलशयिलिर॥गिये॥००ठिविठिवि॥इरुजा॥हवशजकयजभासर्वइक्य
 इक्षानाजकनि॥ममसर्वसत्त्वानाववशकनामिगुकियत्रिजनीयत्रिगुहं॥यत्रियोवर्गसानिससिियनदलुयवि

११

११

हानजानयत्रिरुनविषइवर्धविषनाजनीजीमावधप्रहावन्धककनामिजीवठवर्धनमयग्यपुसप्रदा
 सर्म॥मयथा॥विजमूलाविममालाहवशमालाहलरमालाखप्रशवप्रशधीयशस्रस्रराहर्गवियंनिहर्गवियं
 सर्वइक्यइक्षानाविषंमूलविषंअन्नविषमासर्ववक्षानांनजनास्रराकयप्रशवकावित्रिहिरुर्गवियंनि
 हर्गवियंनासिर्वियंसकानासम्यक्वृद्धनासर्वेणवकर्मयानागजनलामला००लिमलानिलिमला॥गिलिम
 हिमाइमाविमाधूसूकमासंवाहुवाअठनाठगिावयमुदव००लिकिसिमननवममानादममासानाभेरायम
 सर्वसत्त्वव्वसठगवत्रिजावदात्रिगिरकवदरमूल००गिजवयमुदवशयियकनाअठनायत्रिवदनावाककनव

वर्षद्वयसमस्तानामा रगवत्तु नूत्तु गामिसिकाया हंगानिकाय अलं हलकनया आसनयासुत। यायानिक
 लायुनिकनानमा रगवत्तु वृद्धाना अलं कामाजित्यजिना। वियग्या गिखिजिन ४ यूनु नीकस्यमूल। अलं लस्यम
 लडयगम्याविश्वहजिनीयमूल कुक्कुटुया मूल ४ वृद्ध अकानाग मूल डय अलं लस्यमूल सदिना कयंगव
 डयत्यवाविममयायजीतम ४ अलं वृद्धयमदक्षिकय अकवना ४ सुनि अलियुसना ४ मादवना सुदिनात्मना १२
 उदया ४ कवनि सानि कसित वरनि त्यामातयथा ॥ वृत्ति मिलि किलि विलि कलिवालिवासा इना सुइ मादव
 सनरु रकन ऊरक कन डे यूले वृत्ति सनता कानलि कनानिना यायवा यग्या रनिकायिलवकुनि वृत्ति

वासि मिश्रकुमकुयलाहा नयथा ॥ किलि मूल उलनुमूल समस्तमूलान उना ३ कनना ३ वृत्ति मिरा यात्र
 अत्रनरिका मत्र उ उ का वृत्ति किलि सिगादादि का उ द्रव्यमरि नमडा नभावृद्धाना सिलिवादि यदा रावकु स
 क्लिवा नुवतुया दा सिलिवा वृद्धता मा अलं सिलियुया गनयय सिलिवा जो सिलिदिवा सिलिम अदिन किलि न सर्वशुख
 क्लिवा रवतु माये वायाय मागम सुर्वदिव सकल्याना ४ सर्वनरु रदका ४ सर्वमरुदिका वृद्धा ४ सर्वइह नानिना
 गुवा ४ अनन सिलिवाथन सिलि रवतु समस्तम ४ अनया मरुता मायया विद्याना ही नयगना रायिताया मरु सर्वस
 लाना वत्र का कृशुयि युत्रिडा नयगु र्दय प्रिया नन गानि सिलियन दलुय निहा वजमुय निहा य विषइयन

[illegible][illegible]

लुप्तिका॥ हलन्त॥ मठिरसिद्धि॥ मरुसर्वसत्त्वानाकस्वाहा॥ स्वरुमरुसर्वसत्त्वानाकस्वाहा॥ गयथा॥ हिलिरमिलि
जहलन्ता॥ विटिजा॥ हिकरा॥ नउरा॥ हप्ररा॥ वप्ररा॥ हप्ररा॥ यल॥ रवृल॥ रस्वाहा॥ नमः॥ सर्ववृजानास्वाहा॥ यत्यकवृजानास्वाहा॥
सर्ववाधिसत्त्वानास्वाहा॥ अनाममिनास्वाहा॥ सवृजामिनास्वाहा॥ वृजकास्वाहा॥ वृज्यास्वाहा॥ यजायनयस्वाहा॥
वृज्यानायस्वाहा॥ वायुयस्वाहा॥ वप्रयस्वाहा॥ यमायस्वाहा॥ उयन्दायस्वाहा॥ वेनुवर्हययकाभियनयस्वाहा॥ धृनय १५
स्वाहा॥ विप्रकायस्वाहा॥ विप्रकायनामभियनयस्वाहा॥ कृयनायस्वाहा॥ दवानास्वाहा॥ नागानास्वाहा॥ अ
स्रानास्वाहा॥ मप्रानास्वाहा॥ गप्रानास्वाहा॥ गन्धर्वानास्वाहा॥ किन्नरानास्वाहा॥ यक्षानास्वाहा॥ नाकसानास्वाहा॥

यक्षानास्वाहा॥ पिशाचानास्वाहा॥ रुतानास्वाहा॥ कृमालानास्वाहा॥ यूनानास्वाहा॥ यट्यूनानास्वाहा॥ स्व
नास्वाहा॥ उत्मादानास्वाहा॥ क्रीयानास्वाहा॥ अयस्यानानास्वाहा॥ डास्तप्रकानास्वाहा॥ वन्दसूर्यानास्वाहा॥ प्रडा
नास्वाहा॥ नकुगानास्वाहा॥ शुहानास्वाहा॥ क्षानास्वाहा॥ पवीनास्वाहा॥ सिद्धवृजानास्वाहा॥ सिद्धविजानास्वाहा॥
जोत्रायस्वाहा॥ जन्मत्रायस्वाहा॥ कौशुत्रायस्वाहा॥ अमृतायस्वाहा॥ जहनीयस्वाहा॥ नृनीयस्वाहा॥ व्यायठीयस्वाहा॥
डामियस्वाहा॥ सर्वत्रायस्वाहा॥ अथमवत्रायस्वाहा॥ यन्त्रायस्वाहा॥ मीनगीयस्वाहा॥ नागहृदयायस्वाहा॥ मनसीय
स्वाहा॥ मानसीयस्वाहा॥ साहजानसीयस्वाहा॥ अउकत्रायस्वाहा॥ मानिरुनुयस्वाहा॥ समनहृदयायस्वाहा॥ महाहमन

(Faint handwritten text at the bottom of the page)

[illegible]

नित्रिंशतिविहङ्ग॥ अत्रिंशद्द्वयं त्रिंशद्विहङ्गः॥ दक्षिणवर्गः निषण्णसुयासिवाधिरसत्त्ववाधियत्रिवाधिराथस्वाहा
 नयथा॥ हिलिरमिलिरमालिनीयकत्रि॥ किलिकिलिकिलिकिलिकिलि॥ कित्रियवुक्कायत्तकल्लुल्लंका॥ विष्णु
 दूष्णध्वजंरुद्रशङ्खंरुद्रहर्षंविषं॥ वृक्षंनजाहर्षंविषं॥ युत्यकवृक्षंनजाहर्षंविषं॥ अनागामिनजाहर्षंविषं॥ सक
 दागामिनजाहर्षंविषं॥ आकायन्नाहर्षंविषं॥ सत्यंनजाहर्षंविषं॥ वृक्षंनजाहर्षंविषं॥ ॐ नुवनंनजाहर्षं
 विषं॥ विष्णुचक्रंनजाहर्षंविषं॥ अग्निदाहंनजाहर्षंविषं॥ वज्रलयंनजाहर्षंविषं॥ नागविद्यांनजाहर्षंविषं॥

१७

चूडण्डंनजाहर्षंविषं॥ कवचंनजाहर्षंविषं॥ महामायूर्याविद्यांनजाहर्षंविषं॥ हृदयसंकाशंविषं॥ स्वस्ति
 त्वत्तुममसर्वसत्त्वानां॥ वत्सनाविद्यांनजाहर्षंविषं॥ कात्रकूटविद्यांनजाहर्षंविषं॥ उष्ट्रविद्यांनजाहर्षंविषं॥ मूलविद्यांनजाहर्षंविषं॥
 दृष्टिविद्यांनजाहर्षंविषं॥ विष्णुविद्यांनजाहर्षंविषं॥ मद्यसंकाशंविषं॥ सूर्यमुखिकं॥ किटकमलुकमखिकं॥ शमलविद्यांनजाहर्षंविषं॥
 मन्त्रविद्यांनजाहर्षंविषं॥ अमन्त्रविद्यांनजाहर्षंविषं॥ जकविद्यांनजाहर्षंविषं॥ डामधविद्यांनजाहर्षंविषं॥ विद्याविद्यांनजाहर्षंविषं॥ स्वस्ति
 त्वत्तुममसर्वसत्त्वानां॥ नयथा॥ जलार्जुनप्रयायनिजनुल्लमथनिद्योगसिधुसन्ति॥ ह्रींमित्रीयुतिजिनि॥ नमः

लवनि॥ हाहाहाहा॥ सिंदूरानिविधितिक्रूरखसवप्रठरसि। वनरसि। मिलिरा। कयिप्रकप्रमृत्र॥ हादि
ह॥ सर्वइष्टयुइष्टानजलिलुक्तनकप्रामि। रुसयादांगानिग्रहकप्रामि। सहस्रीदहादिदवनि। उर्हिगीदीसुत्व
निवजइयठयस्वाहा॥ नयथा कलरना। नयशना। सप्ररना। कठि२मृठि२मिठि२मप्र२मप्र२हप्र२मप्र२नित्रि२। ठठ
ठठ॥ दादादादादा॥ वाज॥ हप्रज॥ सिद्धिज॥ सर्वसत्त्वानांयस्वाहा॥ स्वस्ति सर्वयुक्कयकातः॥ यमइमानः। कालना
त्रिनः। कालयासानः॥ वज्रउलु। नः॥ दवदलु। नः॥ नागसूत्र। गत्रूउ। गन्धर्वकिन्नप्रमहा। नगयक। प्राकस॥ युतपि

गावकूलायुननकठपूठनकुत्तउर्मादकायाअयस्मात्रउ। स्मात्रकवगाउ। वाजयोत्र॥ अग्निउदकसर्वदलुक
लुयः॥ स्वस्ति। एवतुममसर्वसत्त्वानांयजीवतुवर्षजगंयन्यतुसप्रदाजगं॥ नयथा॥ हित्रीरखित्रीरमित्रीरमृत्रीर
हित्रीरउसू। उसू। गुसनिमथनिदहनिद्याननिययनिययावनियनिनायनि। हप्रनिदप्र२दीप्रहि। याप्रहिमाहनि
गुसनिनकृतिजकृतिस्वर्यमुवस्वाहा॥ नयथा॥ हप्रि२रवप्रि२खाप्रि२हिप्रि२मिप्रि२गुसनि। मथनि। दहनि। द्याग
नि। यवनि। यावनि। हननिदह२दाप्रहि। यागनि। माहनि। जकृतिरुनिस्वाहा॥ नयथा॥ अलुला। यलुला। कप्रज

कयूना हनगना हनयति विन्दयति नजाग्रहयति जयायति अत्र उ नत्र उ दना उहा उला मला
 रुला प्रविला दनुला वलिकि विका किलिकि विका कम्मानकुला विप्ला नकलि नगत्रिष्टु अष्टवयति
 जंममति मधूमति कमत्र विमत्र कलुल अहिनु हिहि वकवक महागत्रु नव स्रवस्वाहा नयान
 यामहामा ययविद्या नरुहानरिहृता मरसर्वसत्त्वानां च नका कर्षति जीर्णं तु वर्षं न यम्यतु स्रजानं
 नयनया नयथा वावति यत्र निक्षुम्भस्वाहा ॥ वागा द्वयश्च माहय उत लाकय यविषि वा निविषा रजवान्

१७

द्वा वदस्यं हनविषं धर्मस्य हनविषं संघस्य हनविषं ॥ यद्वयं सवद्वानां महता लब्धे वदजा क ४ नथा गकस्य
 नजनममसर्वसत्त्वानां च कर्तृसत्त्वयनं मया ॥ आर्यमहामायत्री विद्या नरुही अविनष्टाय नमः स्वास्तु नित्रयस
 समाय ॥ ॥ ॐ ॥ यधर्मा हसुयरा वा ॥ ॥

ॐ नमो हगव न आर्यमहासाहसयम
महासायथदया सिद्धासुसिद्धासुखा
अखलाखरखठखत्रकाहप्रियम
साहासिधनुममनुयदाऽसर्वसुखा
वलनेखय्यधियननयखाहासायथद



दन्येष्टानमशासर्ववृद्धवाधिसुखास्थान
अप्रकावलासमहावलजम्भाजटिल
लागिमिदिल्लामिमिलिनिमनल २०
नाकवेष्टवर्गस्यमहात्राजस्यनाम्ना
माअखानखाविनखावन्धावत्राध

वयत्रावखावखनावखितायलाहजाहगनत्रावमजावगवर्हिनिसाहा॥ मयनुममसर्वसुखानाकसर्व
गुहयाऽष्टनत्राकस्यमहात्राजस्यनाम्नावलनेवनव्यधियननयखाहासायथदमाखरमाखत्रमाख
त्रकाखत्रमाखवलिखाखत्रखाखटिनाखत्रलिाकत्रखिकसुनाकत्रठाकात्राकामनिविधेप्रिाविधयानयन
समवतासमवतासमासमानिसाहा॥ आम्नुमरसर्वसुखानाकसर्वगुहयायदवाविद्रुठकस्यमहात्राज
स्यनाम्नावलनेव्यधियननयखाहासायथदमाकगमाककमणिाककत्याककसमा॥ कश्मकककाक

कृमाकृगाप्रगला नगला समगला कृमाकृमा अलक कलमक कलला ॐ नमिप्रवित्रप्रगवनिस्वाहा
 स्वस्ति कुमर सर्वसत्त्वानाकृ विप्रयाकृमहा राजस्य नाम्ना वलनेश्वर्याधियननयस्वाहा ॥ स्याद्यथदं ॥ अर्मग
 खप्रवतावप्रवता वलनिधाय मुलधन वजर्गमा वजधन सुहाजभादरमात्र विप्रज विप्रस वज्रयाय अन २१
 लाधर्मयकृदिनिविप्रस्वाहा ॥ स्वस्ति कुमर सर्वसत्त्वानाकृ तथागता नाम्ना वलनेश्वर्याधियननयस्वाहा ॥ स्या
 द्यथदम् ॥ खप्रवतावप्रवता वलनिधाय मुलधन वजर्गमा वजधन सुहाजभादरमात्र विप्रज विप्रस वज्रयाय अन

सात्रादि विप्रकानि स्वस्ति कुमर सर्वसत्त्वानाकृ उर्ह नम्यादिनिस्वाहा ॥ वक्रयाय येन कृग्यला कयालामद
 श्वना ॥ यकृमनाय नय ॥ सर्वहानीति वसयुठिका ॐ नम्य कृग्यला कयालामद
 तयामेश्वर्या वलनया निहता ॥ सर्वरागाश्च स्वस्ति कुमर सर्वसत्त्वानाकृ सर्वरुयाय दवाय स ॥ ८ ॥ स्वाहा ॥ न
 मस्त्यत्रुषावी नमस्त्यत्रुषाकृमा नमः ॥ स्यामाजलिक नाधर्म नाज नमानमा मुक ॥ स्याद्यथदम् ॥ धनलीया
 नली यधर्मसति युहर्जनि विधमति किंयत्रुष सक्र सात्रवति गूत्रधनली शुद्धवतला यामवति सात्राग

याथा स्वस्वमुममसर्वसत्त्वानाकर्यपूर्वस्यादिजिस्वाहा॥ वृद्धायायथजकश्चलाकयात्रामहज्जवाऽयदसना
यतयसर्वहानीनीयसयुजीका॥ ॐ दय्यकगन्धयुमिगृह्णुममाहमीह॥ वीर्यहानजसातनगर्वाऽन्य
र्यहावलनयनिहतासर्वत्रागाथस्वस्वमुममसर्वसत्त्वानाकर्यपूर्वस्यायदवायसर्ज्यः॥ स्वाहा॥ नमस्तुयू
थावीत्र नमस्तुयूथावर्त्मऽनमस्तुभाजलिकत्राधर्मनाजानमाहुत॥ स्यायथदी॥ गानिजात्रवनिवा
निकात्रवनिर्किंकिमिर्किंत्रिनुकिमतिधवणी॥ हर्मिषात्रिहि॥ हिमवति॥ स्वाकियत्र॥ हा॥ मागो॥ शु॥ शु॥ स्वास्तु

२२

ममसर्वसत्त्वानाकर्यदक्षिणस्यादिजिस्वाहा॥ वृद्धायायथजकश्चलाकयात्रामहज्जवाऽयदसनायतयसर्व
हानीनीयसयुजीका॥ ॐ दय्यकगन्धयुमिगृह्णुममाहमीह॥ वीर्यहानजसातनगर्वाऽन्य
र्यहावलनयनिहतासर्वत्रागाथममसर्वसत्त्वानाकर्यपूर्वस्यायदवायसर्ज्यः॥ स्वाहा॥ नमस्तुयू
थावीत्र नमस्तुयूथावर्त्मऽनमस्तुभाजलिकत्राधर्मनाजानमाहुत॥ स्यायथदी॥ धर्मवत्रा॥ वत्रवनि॥ वत्रवनि॥ विमात्रद्गाविवसीसा
गत्रावत्रकयित्रायलुलि॥ वित्राजिनाविषात्रिहि॥ वधुवनि॥ अत्रला॥ सानिस्वमुममसर्वसत्त्वानाकर्यश्चिमाय

दिजिस्वाहा॥ वक्रावायथग कश्चलाकमालामहेश्वराय नमः सर्वदा प्रीतिवसयूती का॥ ॐ दंयुष्य
कजन्मकयुक्तिगृहं तु महाहूतीम्॥ वीर्यदातृजसा नवां मे श्वर्यदावजनयनिदना सर्वत्रागाश्च स्वस्त्वन्मुममा सर्वस
त्वानां च सर्वरथाय उवायसर्ग्यः स्वाहा॥ नमस्तु यत्र धावी न नमस्तु यत्र धारुमः॥ नमः स्यामाज्जलिकत्रावर्म
त्राजानमो मुक्ता स्यायथदम्॥ वक्रवक्रधाव वक्रस्वत्र वज्रवज्रधाव वज्रधत्र लित्रासात्र अत्रा अत्रहा॥ ॐ
षत्रा अत्रा दत्रहा गूल वत्रागुयाष्ट सात्रवकि सा निस्वस्त्वन्मुमम सर्वस्त्वानाक सर्वदिग्निदिग्यः स्वाहा॥

वृष्णावायव्यं यन्मृद्वं लाकपाला महं च त्राऽयं रुसनाय तयऽसर्वहात्री निचसय जीवा ॥ ॐ दम्यं च कर्गं च कय निगृ
ह्नुममो ह्नुतिम् ॥ विर्यं धनं जसां गमामं चर्यं हावलं नयनिहनाऽसर्वत्रागां च स्वस्वमुमम सर्वसत्त्वानां च सर्वं तथा
युदवायसर्ज्यऽस्वाहा ॥ नमस्कृत्य पूषा वीर नमस्कृत्य पूषा रुमऽनमाह्यामा ऊर्लि कना चर्मत्रागां नमामु न ॥ वा न जायि
तजा त्रागाऽऽहं च जास निया तजाऽनिहनाऽसर्वत्रागां च स्वस्वमुमम सर्वसत्त्वानां च सर्वं तथा युदवायसर्ज्यऽस्वाहा ॥ अ
यल मवप्र सा प्रमय प्र युदही वरु युद्विनि धावा समनन मुखलि प्र सुव प्र विद्यं वृज दयुग प्र न या प्र म मिता स

लासावर्गवर्ग। वलमहावलमहा निहिसखाहा॥ स्याद्यथदम्॥ सालकलिनविषमसि। वजायसात्राशकवर्गि।
अमाद्यवति। सयन। कालिनकालि। कानिवत्र। तत्र। कत्रकसैय। समनायाह। सुकृपाया। वज्रयत्रखाहा॥ ॐ मस्मि
लाकयूत्रीवायूत। स्वर्जयूवात्रतवत्राहिसनि। समाहितानेवहनथागगन। दवानिदवननार्हमहा। तस्मादिदं तत्र २ ५०
वर्गयुहीर्ग। उगनसत्यन० हाकुसुमि॥ कयावित्रागाहृमृगर्मसुग। अह्रायसा। जाकसुमियुहाविकन। धर्मनकन
समासुकथीनमृगनसाही। तस्मादिदं तत्र वर्गयुनित्यं॥ उगनसत्यन० हाकुसुमि॥ यः॥ यमिष्टमिष्टिष्टिकाजि

मं। गासुसदान्तरुप्रयागवाहक। समाधिनातनसमानविद्यत। वजायमनाकयमाग्नेदज्जुना। तस्मादिदं तत्र वर्गयु
लीन। उगनसत्यन० हाकुसुमि॥ अक्षेमहायुदलयायससु० व्यामानियत्तात्रियुजानियेव। नदक्षिणीया० सुग
ननगीता। महविद्याययनियुदलन। उद्यः पुदानमृवतमहाहर्न। वीजानि अन्यस्तानि। यथासुदुग। ० ० ० दंयुनिर्ग
वप्रसंयत्रत्वं। उगनसत्यन० हाकुसुमि॥ ययुसनामनसादधन। उयसंक्रम्य। जोगमसागतहि। कयाक्रियाकाअ
मृगंविगात० ० ० दंयुनिर्गवप्रसंयत्रत्वं। उगनसत्यन० हाकुसुमि॥ अविद्यथावायु। वजादिनष्ट। अर्धुगनानेव। उ

यन्निर्वाणम् नयेवमयाजनवियुक्ता अदर्शनं यानि हि यद्वयुक्ताः नृदं यदीति वप्रसंघत्रत्न ननसत्यनं
 हामुखलि ॥ यजगमाश्चानयेवमया वनासु सर्वसत्त्वास्त्विताना रुवन्तु आका विनागर्जनप्रदवयुश्च वद्वत्तमस्य
 यानं हामुखलि ॥ यजगमाश्चानयेवमया वना नसर्वसत्त्वाना स्त्विताना रुवन्तु आका विनागर्जनप्रदवयुश्च वम
 नमस्य यानं हामुखलि ॥ यजगमाश्चानयेवमया वना नसर्वसत्त्वास्त्विताना रुवन्तु आका विनागर्जनप्रदवयुश्च स
 यनमस्य यानं हामुखलि ॥ यानि रुद्रगानीसमागतानि सिनानि रुद्रमावर्तु अमीतरी क कर्तुमेती सतर्गयुजासुदि

२५

द्वायत्राणे वयत्रमुधर्म ॥ यनेवमस्यनजिनाजिताप्रि ससत्यवादी प्रियस्यनालि ननेवमस्यनं हामुखलि ॥ म
 यानुसर्वमहा रुयस्यसाहा ॥ स्याद्यथेदम् ॥ विप्र विप्रिना वप्रनिधाय वलसात्र सात्रवर्तमुन यरुयाय अ
 वप्र आवप्र आनधाष सात्रवकि अर्त वप्रवर्त सत्रयुक् सात्रदम सूर्यनिधाषसाहा ॥ स्याद्यथेदं ॥ रवप्र
 रवप्रयाषा उल्याप्रन सात्रयियुहद वियुत्रयुहद संकषाति विषाप्रयति शुद्धसाधना वप्रसावनि सर्वविह
 वली विषममा यन्तियति यष्यगर्ह स्वमासु नमसर्वसत्त्वाना क सर्वरथा युदवायायाय सत्तयः साहा ॥ ६

स्यायथदी कलिंजा राजद रुमद जामन सिमन सात्रागुयाय हंगगामिनि मालिनि हुलमि हुल
यिहुलश हंडा सुदनि वनाग्रवनि हसिन चत्रम कि चत्रम चलाचलखा हा विवृद्धवा व्योसम्बुद्धा ला
कपालाग्र तुर्दगा राजनानिस्मानियं वलात्रि सुगनयवे दहानिनिनावाका मनेना राजनाहर्म गृहित २६
स्यातिनागाने लेख्यममृगायममा उरुनसत्यकन अमृताहर्वनु डावधर्म हात्रितीवमहादवी गृध्रयथ
तुथागुजुर्गा गाकदह्वनिदि लेख्यममृगायममा उरुनसत्यवाकन आह्वयस्य पूजायममा सर्वमियद

नयाहवत्वममृगायममा ७ ॥ वियजिनावृद्धगजन जिखिता चवत्रनव विज्वसुसत्यवाकन कुक्कुन्दसमाभित
कनकाकस्यरुनन जघावेकास्ययस्यव जाकसिंदस्यवीर्यहा हवत्वममृगायममा स्यायथदम् ॥ खटा खठविषठ
विमल विलम्ब यल्यल वलवत यन्दयत्रहा अमृगनिर्यावखाहा वृजायत्यकवृद्धाया वृजानाग्रावकायथा वृद्ध
लाकपालाग्र यक्रमेनायग्रगा गाकथायकामहा हात्रितीवस्यपूजाका वीर्याहातजसाहमाभ्यताउ कर्मकि यतुहिन
हिवजत्रलानि वकितीचनदाहक वाहन एभिनामद्या रास्त्रमहावनस्यमी उरुनसत्यवाकन कार्वादकर्मदाहगा

नानागन्धसुथायुषो निष्कमाऽसर्वपायकाऽस्यायथदम् ॥ इमं रक्खलि रक्खलि जडिनि जवलि जगला ह्रिनि
 गावत्रिगानि युगानि स्वाहा ॥ अवनिसायुषावनिसाहा ॥ गन्धर्वस्वाहा ॥ यलिभ निसाहा ॥ सर्वकाखा र्द्धन वता उद्धनि
 स्वाहा ॥ नृममनुयदे इमं सर्वसुखानाकरा सर्वकाखा र्द्धन वता उद्धनि स्वाहा ॥ इदिता जिनाऽयत्रा
 स्वाहा ॥ नमः सर्ववृक्षानाम्यत्कजिनमजसा ॥ अरुनाथे वीर्यहा सर्वव्यामनुषात्रिणामुपहृयाजानियुगस्य ॥ माजल्यस्य व
 अक्षिया यक्षया निवृक्षस्य कास्ययस्य गुह्येन यिषको लिख्य पूर्वया हात्र अर्नदस्य अगनया उषावेव वृक्षहाथेव

२०

उष्ये हात्र गन्धकनाऽविषये लाकपालाना महश्चत्रवसनया सुनायनिनाजाय हात्रीत्याश्च समृद्धिया वीर्यहा न
 जसा गया विषं नस्य विषसदा ॥ नममनुयदा हाकि निर्विषा इषहा मस्यायथदम् ॥ ह्रिकजिनकिल त्रिदिना अम
 त्रा अमृता यलुल कठका कयूत्रा हसं रक्खसखसखस ॥ मन्त्रगदहा स्वाहा ॥ मूरकस्वाहा ॥ हलस्वाहा ॥ हगगलुऽकि
 लासाश्च ये सयाश्च विचर्विकाऽलाहलिगाथा पीतस्य ककह वनिसयनी ॥ जालाक्षयश्च माहस्य जगलाकनया वि
 षाऽनिर्विषा र्हा गवान्नामी वृक्षस्य हर्षविषी जालाक्षयश्च माहस्य जगलाकनया विषानिर्विषा र्हा गवान्नामी वृक्षस्य

हतमिषं। त्राणाक्षयश्चमाहाय्यः। नृनलाकशयविद्या। निर्विषासगवात्सवं च। संघसखदगं विषं॥ विषस्ययुथिवीमां वि
 गा। नृनसत्यवाचनं। विद्यासर्वस्य निर्विषा॥ हृमिसंज्ञासंघविषं। यल्लुयाश्ववामनामनुविषखाहा॥ वृक्षननिर्जितामा
 नाधर्मा नव। अधर्मना। संघननिर्जितामीथा। ॐ नृहा अस्त्राजिता॥ अस्त्रेयजितासामावेतनयनसागनः। अग्निना
 यजिताकायाः। उदकनाग्नियत्राजिताः। वाहननिर्जितामद्याः। नलवज्रसमव्यतासत्यनदवागिष्टुकि। सत्यनयथिवाहि
 गा। सत्यवृद्धश्चधर्मश्च। सत्यज्जयतुमायया॥ ॥ स्याद्यथदम्॥ अमृता। अगयूष्य। वरुहल। निवात्रिभिः। सव्यथसा

२६

धनि। अयत्राजिताधनधनमि। शुक्रावहू। याममा। युक्तमतिजम्भनिसाहा॥ युजम्भनिसाहा॥ वलवयज्जुनिसाहा
 जयसाहा॥ विजयसाहा॥ जयविजयसाहा॥ अकाशयत्राजा। इवलाकिगन्धरा। अमिनाहा। जलसंहरवाइमायसिद्धि
 यमत्र॥ वज्रसत्वायनामसूहीत्वसर्वदानमामिनिष्टुदी॥ नमामुगवृक्ष अनन्तगायत्राय। नमामुगसत्ययुकासकाम
 त्वासत्ययुतिष्ठाय। युजायभावसर्वविकामाः। सरलसवकु॥ स्वस्तिरवकुममसर्वसत्त्वानाय। वृक्षणीमिहू। वृक्षणी
 कयुकल्लिना॥ यावद्वादनवयानां। कुमात्रानीहिनर्कनी॥ ॐ मामतिक्रमदिया। सुगवृक्षानिमिहूदी। सयवास्यदृढान्

[illegible]

मनुयदास्त्रयतु ००० माधिया म्बुक्क न्मयानुखाहा ॥ स्यायव्यदमा ॥ अक्कमा विक्रमा ख गद्याषा खनं ममादहनिधर प्रशद
 धिति निधमा ख २ म म म मा ॥ साग प्र म म ॥ चन्दायय लाहलिभाहल हा लिहि ॥ स्थाहा ॥ स्वस्मानुमम सर्व सर्व सत्वाना ॥ ५ ॥ सर्व
 दिग्बिदित्यास्त्राहा ॥ निहनाति सर्वयायानिस्त्राहा ॥ वाक्क ॥ विवियुलघनगाक्क सिं हस्य नायित ॥ सविषजिनिगुधनराजनडय
 नामितमा ॥ युगिगृर्धतत ॥ ग्नास्त्रा ॥ विषाकृतहा जितम् ॥ पुननसत्यवाक्कन ॥ अमृर्ग एवतु हाजनी ॥ विषाजिना दवनाया ॥ गि
 धिना विग्धनुसुथा ॥ कुक्क कुन्दयुसनाया दवनायामहावला ॥ कनकाय्यदवन्दा ग्रीमन् काग्ययस्यया युसन्ना ॥ ग्नाक्क सि

रुस्य वृक्षन्दादिदग्गन्त्राशायत्वात्रासाकयालाग्न्यमानिरुजामहज्यत्राः॥ प्रादुर्भियमहाकालोचन्दायछालीनीन
था॥ नृदय्यकगन्धक्यनिगृह्णतुममाहर्नि॥ योदिताः पूजितास्तत्वा नृनमः॥ अन्तुहाजनमू॥ यक्षमिषहसंसृष्ट
सर्वसृजामिहजनन्सर्ववामाजगमाना॥ यतिहृष्टयिजसा॥ सर्वहाजनसंसृष्टवन्तुमकिन्नदग्नयथासृष्ट॥ नादग्निर ३०
यनयन्नामथाहाजनसंसृष्टसंसृष्टकलान्दमा॥ स्याद्यथदम्॥ स्वस्वमास्वस्वस्वस्वस्व॥ स्वस्वमाग्निमग्निद्रमाग्निमिर॥
स्वस्विभा॥ गान्तिजत्रागिर्यकमिषहसंसृष्टयथाहात्रादिनिनामिषम्॥ यन्नदग्नयथासृष्टसत्यं कर्त्तुनादग्नम्॥ स्याद्यथदम्॥

कलक। कललावलनिकल्लालय॥ खलमा अग्निर्मकामनित्वाहा॥ विद्यया वृद्धमप्रहीडयति॥ जिह्विनकमूढसूगनक
काज्ययम्॥ विष्णाप्रदडाकमूढीकजोगम॥ नान्स्फान्त्रारुमानायुष्यकगवकजनीप्रयूर्ज॥ कायननवमिनमाककला
युसलचिरु॥ ४॥ प्रहीडयति॥ नतमूदवममहजिकम्॥ यादवगासनि अरियुसना॥ तादवमात्मनाउदगा॥ ४॥ कर्चनिगा निमि
वक्त्रनित्यांस्वस्त्यमुममसर्वसत्त्वानाकस्वाहा॥ ॥ आर्यमहासहस्रमुद्दधीनाममहायानसूत्रम्यत्रिसमाय॥ ॥

कंकात्ररुं कनीकि कलिख कं कनी लह साहलीति॥ अनाथा नाथा निर्गकनत्रियं यां देय्यं इष्ट विहृति यत्राययथ्य
ग वृद्धा लोका नृकयक नवमा ह्याययति युविभक्ति सर्वसत्तादिना ध्यागया ४ मे जीयविहारी कनूमा विहारी मृदिना वि
हारी उयका विहारी न नमकुयदा सिद्धा ४ सिद्धिगाथा जिना जिना ४ सर्वसां दवमानां हिहाना च हिने विनी ॥ हाननात्था ३२
हमाना य तथा धर्मनया यिय जगना मिनय सर्वसम्यगुत्ता प्रागमकुव विमिककाय ह्यु विवस्मा वित्रयी कना ४ गान
थिरुनायास ४ सर्वस्वसि कत्रिकषाति गनीथो जगनां सासु दनं यन सर्ववदु ४ अथाय सर्वसत्तानां सर्वस्वसि कत्रिष्यति

यन सर्वजगदेव मे जीयिरुन नायिना यात्रिर्न यूयवतिष्यं सर्वस्वसि कत्रिष्यति॥ गनीथो सर्वसत्तानां लाईदीययत्रायदी
संसात्ररुमानां सर्वस्वसि कत्रिष्यति॥ यावा धा सर्वधर्मानां मविर्मादक गुयि गुविवाक्यसुयिकन सर्वस्वसि कलिष्य
ति यस्मिं जातमहावी प्र सर्वमृद्धा सर्वसंयदा ४ सिद्धार्थ सिद्धि संला प्र सर्वस्वसि कत्रिष्यति यद्विकारं युयलिना यम्यवावो
वसुधना मात्राग्र इत्सवा नागि सर्वस्वसि कलिष्यति॥ यम्यनागि मूहायस्य धर्मवर्क्यवर्हना अर्थसत्यानिवदक सर्वस्वसि
कलिष्यति यन नीर्थकना सर्वजिना धर्मवना यिना वजीकना सर्वगना सर्वस्वसि कलिष्यति स्वसि वक्त्रं न वृद्धा स्वसि दवा

ससककाऽसस्मि सर्वस्मिद्विद्वानि । सर्वकारं दिग्गुव । वृद्धयुन्यान् लावन । दवतांतां मन्त्रय । यायार्थमवस्थितु न । सर्व
 व्यादजामृदिनाऽस्मि वाधियका लाकु । स्मि वा नुच वृष्टा न । स्मि वा वृज मां मार्ग । स्मि यथा गतयुव । स्मि ना जो स्मि दि
 वा । स्मि मध्यदिन स्मि । सर्वजस्मि वा लावनु । माय प्रायाय मागमन । सर्वसत्त्वा सर्वयाना । सर्वरूपाश्च कवला । सर्ववैसृषी । ३३
 नस्तु । सर्वस्तु निला मया । सर्वरूपा नित्यनु । मा कश्चित्प्राय मागमना । यानि रूपाणि समागतानि स्मितानि । त्वमार्ह मा न प्रीया ।
 कूर्चकु मे जी सतर्ग यजासु । दिवा वना जो यवलनु धर्म ॥ ॥ आर्यमहामनुत्सावमी महाविद्या प्राप्ती समाया । राय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गीतासप्तदशोऽध्यायः ॥
 नाहं नाहं किमस्मात् ॥ विविदि किमस्मात् विदुः
 विनालिका ॥ विदुः हि लिखन्ममिदं ॥
 किं लोको गन्धर्वः ॥ यथा लिखन्ममिदं ॥



दी केव काविकवलनागिक कनकाकि कलरमति नरुमति वलाहकल उत्पन्न कलविल कनरवी प्र नलरवी प्र न
नवी प्र कनरवी प्र कनरवी प्र कनरवी प्र महावी प्र नलमति वनमति नरुमति सर्वार्थसाधनि यत्रमाथसाधनि अय
तिहं नल जाजा प्र जमाजा यनूजा जाजा कवजाजा मनस्वि जाजा वात्रसूकी जाजा दलुकि जाजा दलुअग्नि जाजा ३५
धृतराष्ट्राजा विप्रका जाजा विन्याकि जाजा वस्मासहायति जाजा वक्षलगवान्नामी जाजा अनूरुनाला कानूकय
कहाजमानस्यग्रहणी अयसा ह्यर्थ नकाकुर्वन् पुर्कियत्रिगर्ह यत्रिगर्ह यत्रियालनं गानिस्सयनं दलुयत्रिहार

समुयत्रिहारं विषद्वर्ण विप्रनामर्न गामावयध नद्या वधवकुर्वन्नुजीवन्नु वधसर्गयस्य दुस्त्रदागर्न तयथा नलामि
ला उत्पन्ना नलमति विलमति रुलमति यिलमति रुनमति नरुमति कनूमति रुनूमति रुनरवलरवप्ररवप्ररमति
हमियलुकाकत्रि अरिहं नायित सामप्र सामप्रह रुप्ररुल रुप्रसियप्र जयवप्र वलनद्वलनादिवृन्नादि वाच्यमनि
विप्राहिनीजा नाहिनी अलुल यलुल कनाप्र किन्नप्र कयुमूरल लर्तगम्य हिप्रम्यगह महावल अवल किन्नमूल अयप्र
यन्ध जयालिक जयाप्राहिणी वृन्रुवृन्रुवृन्रुवृन्रुवृन्मति विप्रमति विष्कम्ही नागनाविनागजीवन्मति भादृष्टी वि

मोक्षणी माहिणी विमाहिणी लावनि विहावनि जावनि विजावनि सीकित्रणी सीकदनी साधु कुचमा दत्त त्रमा दत्त रुचरवध
मनिसिलि रखा तली हुन रखु प्रशयि गत्य नमा रगव तानि स्वाहा ॥ ॥ आर्य महाजीतवती नाम विद्या प्राप्ती समाप्त ॥
आर्य महायुगि सत्राया ॥ आर्य माहा साहस यमई टी ॥ आर्य माहा मायूजी ॥ आर्य महाम कान् सात्र टी ॥ आर्य महाजीतवती ३
नुनानियं वन कासू या वि समाप्त ॥ ॥ यध माहि दुय हा वा हुनु न वा क था गतः हुव द न वा क था नि प्रा धा न व वा दी महा
प्रमर्श ॥ ॥ सथा इमु ॥ संवत् ८२० ॥ राव यन क यु ॥ गहिनी न क र ॥ अक म्या या निधि व विद्या न या छा ॥ सामवा

नाथ क र य क न वा य स क वा य ध न का मि ज न ना म वि त ॥ जी व जा वा य र ॥ ॥ शु र सु स न दा ॥



